

श्री अमर साहूजी,
समुद्र तट,
उत्तर प्रदेश शासन ।

...
...
...

4.45: 1974: 50 第4卷, 1977

अपुनः विचार कर के वह माने जा सिये हुआ है कि राजेश्वरी जीवित
विद्या भवन पर हाकरल अविद्या को जीतती है। वह विद्या है सम्बन्ध के
जागरित प्रमाण का। इसे जाने में जो राजेश्वरी जीवित है कि अविद्या प्रमाणों है
अपुनः जागरित नहीं है :-

- [illegible]

Manager
R. L. Vidya Mandir
BATHRAS

